

• רְבִיבָּה כְּלֵי

〔 〕 〔 〕

— —

—
—
—

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

3

—

—

1

lawpedia.jo

לְבָתָרָה יַדְעֵתָה זֶה, כִּי־זֶה־זֶה
בְּזֶה־זֶה, וְזֶה־בְּזֶה.

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

॥ ୪ ॥ ଶର୍ମା ପାତ୍ର କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

መስቀል የትምህር ተቻል እና ስራውን የሚያሳይ የሚከተሉ የሚያስፈልግ የሚያስፈልግ የሚያስፈልግ

三

၄၅၃

Digitized by srujanika@gmail.com

... 3/b ...

၁၃၂

سیاست

Digitized by srujanika@gmail.com

طلب بين قاضي التمييز ~~ملا~~ ومحضوعاً
ونقض القرار المعمير لأسباب تخلص بهما يلي :-

- ١- جانبت محكمة الاستئناف الصواب عندما ردت الاستئناف وأيدت محكمة الدرجة الأولى والتي استندت في قرارها إلى أقوال المميزين لدى الشرطة التي أخذت بالإكراه والضرب وأهملت بينة الدفاع وذلك لما يلي :-
- ١- وقعت الجريمة فـ ٢٠١٢/٩/٣ وألقى القبض عليهم فـ ٢٠١١/٩/٣ أي بعد حوالي ثلاثة سنوات .
- ٢- إلقاء القبض عليهم فـ ٢٠١١/٩/١١ وهذا مخالف للمادة (١٠٠) أصول جزائية .
- ٣- تعرض المتهمين للضرب كان واضحاً بشهادة الشاهد أن إفادات جاءت بحرافية واحدة .
- ٤- ولد على إنسان شهود الدفاع أن هناك مسروقات ومشاكل حصلت أثناء ترقيف المتهمين في مركز الإصلاح منها كسر زجاج سيارة المشتكى وضرر ابنه من قبل الذي أخبر عن المتهم .
- ٥- أن شهادة شهود النفي جاءت على سبيل التخمين وبعضاً سعاعي ولم تأت على سبيل المشاهدة أو الجرم المشهود .
- ٦- جانبت محكمة الاستئناف الصواب في ردها لاستئناف وتلبيتها قرار جنحيات السرقة التي بنت حكمها على الشك والتخمين حيث أن الشهادات لم تستند على المشاهدة والجرم المشهود وإنما على أخبار مبني على الشك والتخمين .

ما بعد

-٣-

إن قرار محكمة جنحيات الزرقاء الذي أيدته محكمة الاستئناف جاء غير مسبب وغير معال ولم يعالج الضروف المحيطة بالاعتراضات ورأفة الإكراه والضرب

ولم يتعامل مع وقائع العقلية .

٤- وبالتالي فإن بيئة التبليغ جاءت قاصره كون الدليل على الإدانة يقوم على

السلوك والتهمتين أولاً ومن ثم على الإكراه ثانياً الذي أجبر المتهمين على الاعتراف بالإكراه والضرب .

٥- وعليه فإن إلحادات المتهمين لدى الشرطة أمر واجب الأخذ به وتفرضه ضرورات العدالة وأحكام القانون والأصول والواقع .

بتاريخ ٢٠٠٩/٣/٨ تقدم مساعد رئيس التبليغ العامة ببرأفته الخططية رقم (٢٠٠٩/٢٣٧) طلب فيها قبول التمييز شكلاً ورده موضوعاً وتأييد القرار المثير .

الله رار

مسن التقديق والمداولة تجد بأن التبليغ العامة كانت قد أحلت :-

- ١- المتهم
- ٢- المتهم
- ٣- المتهم
- ٤- المتهم
- ٥- الطفلين

إلى محكمة جنحيات الزرقاء ليحاكموا عن التهم التالية :-

١- جنائية السرقة بالاشتراك وفقاً لأحكام المادتين (٤٠٤ و ٧٦) من قانون العقوبات بالنسبة للمتهمين جميعاً .

٢- جنائية إضرام الحرائق وفقاً لأحكام المادة (٣٦٨) من قانون العقوبات بالنسبة للمتهمين جميعاً .

નોટ પ્રાઇવેટ : -

ଏହି କାନ୍ତି ପାଇଲିରେ, କୁଳ ପାଇଲିରେ (୩୦୩) ପାଇଲି ଏହି :-

“**କେବଳ ଏହାରେ ମାତ୍ର ନାହିଁ**” ଅଛି ଯାହାରେ ଆଜିର ପରିବାରରେ କିମ୍ବା ଦୁଇଟିରେ ଏହାରେ ନାହିଁ

17

(፭፻፲) የ ስራው ነው በኋላ ተስፋል ተስፋል ተስፋል ተስፋል ተስፋል

କାନ୍ତିର ପାଦରେ ମୁହଁରେ କାନ୍ତିର ପାଦରେ କାନ୍ତିର ପାଦରେ କାନ୍ତିର ପାଦରେ

ਅੰਮਰ ਦੀ ਆਪਣੀ ਪ੍ਰਤੀ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸਾਡੀ ਵਰਗ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਹੈ।

၆၇၈ ၁၃၂၅ ၁၃၂၅ ၁၃၂၅ ၁၃၂၅ ၁၃၂၅ ၁၃၂၅ ၁၃၂၅ ၁၃၂၅

କେବଳ ଏହି ପରିମାଣରେ ଦେଖିଲୁ ନାହିଁ

ବ୍ୟାକି : ଏହି ବ୍ୟାକି ମୁଁ କେତେ କଷା କରିବାକୁ ବିନ୍ଦୁ

Digitized by srujanika@gmail.com

፳፻፲፭ ዓ.ም. በ፻፲፭ ዓ.ም. ከ፻፲፭ ዓ.ም. ተስፋ ስርጓዊ የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል

॥७२८ ८८ (क्रमांक १८) :-

॥८८ शुद्धि ग्रन्थालय कालीन विवरण (३०३ ८८) क्रमांक १८ अनुसारे इस विवरण का उल्लेख नहीं होता है। अतः इस विवरण का उल्लेख नहीं होता है। अतः इस विवरण का उल्लेख नहीं होता है।

४ - ५ .

५ - ६ .

६ - ७ .

७ - ८ .

८ - ९ .

९ - १० .

१० - ११ .

११ - १२ .

१२ - १३ .

१३ - १४ .

१४ - १५ .

१५ - १६ .

१६ - १७ .

‘**କୁର୍ମାଜିତ୍ ପାଦାନ୍ତରେ ପାଦାନ୍ତରେ କୁର୍ମାଜିତ୍**’ ।

ପ୍ରକାଶକ ମେଳିନ୍

የኢትዮጵያውያንድ የፌዴራል አገልግሎት ተስፋል

፳- የሚገኘውን ትንተስ ማረጋገጫ? (፩፩፩ ፭ ፲፮) የሚሰጥበትን ማረጋገጫ?

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

1- የመጀመሪያ በኋላ እንደሆነ ስርዓት ተስፋል ይችላል (፭፻፮፯) ዓ.ም.

:- **ج** ۱۰۰ دیگر میتوانند از این روش برای تولید کالاها و خدمات استفاده کنند.

१८५

— କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ ?

Digitized by srujanika@gmail.com

— ፳፻፲፭ ዓ.ም. በ፻፲፭ ዓ.ም. ከ፻፲፭ ዓ.ም.

፩፡ የትና ንብረቱ ስርጓሜ ተስፋ ይችላል

፳፻፲፭ ዓ.ም. (፭፻፲፭) ከፃፈት ተስፋይ ስለሚከተሉት የፌዴራል የፌዴራል
የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል የፌዴራል

၁၂၆

ପ୍ରକାଶକ ପତ୍ର ପରିଚୟ

ପାତ୍ର କୁଳ ଗୋଟିଏ ଅନୁମତି

ପାଇଁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

Digitized by srujanika@gmail.com

三

፲፭፻፯ ዓ.ም. በ፳፭፻፯ ዓ.ም. ከ፭፻፯ ዓ.ም.

୩୮

ଶ୍ରୀମତୀ କଣ୍ଠାନ୍ଦୁ ପାତ୍ରଙ୍କାରୀ ଏହି ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ପାତ୍ରଙ୍କାରୀ

۱۰۰۰۶/۰/۱۶ تاریخ: ۱۴۰۰-۰۳-۰۲

לְמַעַן אָמַרְתִּי לְפָנֶיךָ ? וְאֵלּוּ בְּבָבִילוֹן
לְמַעַן אָמַרְתִּי לְפָנֶיךָ ? וְאֵלּוּ בְּבָבִילוֹן
לְמַעַן אָמַרְתִּי לְפָנֶיךָ ? וְאֵלּוּ בְּבָבִילוֹן
לְמַעַן אָמַרְתִּי לְפָנֶיךָ ? וְאֵלּוּ בְּבָבִילוֹן